HINDI GUIDE
GRADES 9 AND 10

Delhi Board of School Education (DBSE)

Directorate of Education, Government of National Capital Territory of Delhi

TABLE OF CONTENTS

1. भाषा: एक परिचय 2

1.1 MYP **में भाषा सीखने संबंधित शिक्षण के उद्देश्य** 2

1.2 MYP **भाषा अधिग्रहण के उद्देश्य** 3

2. हिन्दी विषय 6

2.1. **महत्वपूर्ण अवधारणाएं** 6

3. हिंदी पाठ्यक्रम का अवलोकन 8

4. मूल्यांकन अवलोकन 10

4.1 **मूल्यांकन संरचना** 11

4.2 **मूल्यांकन कैलेंडर** 12

4.3 **मूल्यांकन स्तर और श्रेणी** 13

ACER © 2022 Commercial in Confidence

1. भाषा: एक परिचय

भाषा मनुष्य के सामाजिक-सांस्कृतिक विकास का आधार होती है। मनुष्य के मन-मस्तिष्क में चलने वाली समस्त भावनात्मक और बौद्धिक-गतिकी भाषा में ही सम्पन्न होती है। यही नहीं मानव के द्वारा प्रयोग में लाए जाने वाले सभी अभिव्यक्ति माध्यमों में भाषा, अपनी सहजता, गहनता और व्यापकता के कारण सर्वाधिक प्रचलन में है।

वर्तमान युग सूचना-संचार क्रांति का युग है। सूचना-संचार क्रांति के इस युग में अभिव्यक्ति के सर्वाधिक प्रचलित माध्यम के रूप में भाषा की संप्रेषणीयता के विविध आयाम निरंतर खुलकर सामने आ रहे है। यों अपनी प्रकृति में भाषा शुरू से ही देश-काल के सापेक्ष निरंतर गतिमान (dynamic) प्रकृति की रही है किन्तु वर्तमान परिदृश्य में भाषा के परिवर्तन की रफ्तार पहले से कहीं तीव्र है। आज सिनेमा, टेलीविज़न, रेडियो, इंटरनेट आधारित टेलीविज़न (ott), सोशल मीडिया के अलग-अलग प्लेटफॉर्मों इत्यादि पर प्रयोग होने वाली भाषा, अब तक प्रचलित भाषा की अपेक्षा अधिक तेजी से बदल रही है। यह बदलाव न केवल भाषा की संरचना के स्तर पर बल्कि उसकी अर्थवहन क्षमता के स्तर पर भी महसूस की जा सकती है।

अकादमिक जगत में यह सर्वमान्य है कि प्रथम भाषा न केवल एक विषय के रूप में महत्वपूर्ण होती है बल्कि वह अन्य विषयों को समझने और व्यक्त करने के माध्यम के रूप में बेहद आधारभूत भूमिका निभाती है। प्रथम भाषा अभिव्यक्ति का माध्यम भर नहीं होती है, वह विद्यार्थियों की कल्पना, संवेदना और सोचने-समझने की क्षमता के विकास से अन्योन्याश्रित रूप से जुड़ी होती है। अतः प्रथम भाषा के अध्ययन-अध्यापन में जहाँ भाषा की संरचनात्मक बनावट-बुनावट पर ध्यान दिया जाता है वहीं संप्रेषण और संवेदना के विकास की दृष्टि से साहित्य की विविध विधाओं का भी विशेष रूप से अध्ययन किया जाता है। दिल्ली के परिप्रेक्ष्य में हिंदी भाषा प्रायः प्रथम भाषा के रूप में प्रचलित है।

माध्यमिक कक्षाओं पर पढ़ने वाले किशोर-किशोरियों में मनोवैज्ञानिक रूप से यह अमूर्त चिंतन, सौन्दर्यानुभूति, जिज्ञासा, सामूहिकता, भावुकता, राग, इत्यादि, वृत्तियों के विकास का समय होता है। स्पष्टतः यह विद्यार्थी के विश्लेषणात्मक, विवेचनात्मक, समालोचनात्मक और सृजनात्मक कौशलों के विकास का दौर यही होता है। मनोवैज्ञानिक विकास की इस अवस्था में उसे एक खुली सोच वाले, अनुभवी, संवेदनशील और मित्रवत शिक्षक की आवश्यकता होती है। चूँकि प्रथम भाषा उसके भावात्मक, बौद्धिक और सम्प्रेषण की क्षमता के विकास की दृष्टि से आधार की भूमिका निभाती है अतः प्रथम भाषा के शिक्षक के लिए तो ये गुण और भी महत्त्वपूर्ण हो जाते हैं।

1.1 MYP में भाषा सीखने संबंधित शिक्षण के उद्देश्य

सभी MYP विषयों के उद्देश्य कहते हैं कि शिक्षक क्या सिखाने की उम्मीद कर सकता है और छात्र क्या अनुभव करने और सीखने की उम्मीद कर सकता है। ये उद्देश्य सुझाव देते हैं कि सीखने के अनुभव द्वारा छात्र के बहु-साक्षरता कौशल, संकल्पनात्मक और अंतरसांस्कृतिक समझ को कैसे विकसित किया जा सकता है।

भाषाओं को पढ़ाने और सीखने का व्यापक उद्देश्य छात्र को महत्वपूर्ण और कुशल संचारक बनने में योग्य बनाना है।

MYP भाषा अधिग्रहण के शिक्षण और सीखने के उद्देश्य हैं:

- अपनी मातृभाषा और सांस्कृतिक विरासत को कायम रखने का समर्थन करते हुए अतिरिक्त भाषा में कुशलता हासिल करना।
- विभिन्न भाषाई और सांस्कृतिक विरासतों के प्रति सम्मान और समझ विकसित करना।

DRAFT

- आगे की भाषा सीखने के लिए, और प्रामाणिक संदर्भों की श्रृंखला में अध्ययन, काम और अवकाश के लिए और विभिन्न दर्शकों और उद्देश्यों के लिए आवश्यक छात्र के संचार कौशल का विकास करना।
- संचार के विभिन्न तरीकों में मल्टीमीडिया जैसे शिक्षण उपकरणों की श्रृंखला के उपयोग द्वारा छात्र को बहुसाक्षरता कौशल विकसित करने के योग्य बनाना।
- छात्र को विभिन्न प्रकार के साहित्यिक और गैर-साहित्यिक पाठों की प्रशंसा विकसित करने और अर्थ की समझ और निर्माण के लिए महत्वपूर्ण और रचनात्मक तकनीकों को विकसित करने के योग्य बनाना
- छात्र को पहचानने और अन्य विषयों में विचार करने, चिंतन करने, आत्म-अभिव्यक्ति और सीखने के साधन के रूप में और साक्षरता बढ़ाने के रूप में भाषा का उपयोग करने के योग्य बनाना
- भाषा की किस्म और भाषा सीखने की प्रक्रिया को समझने के लिए छात्र को योग्य बनाना, जिसमें भाषाई, सांस्कृतिक और सामाजिक घटकों का एकीकरण शामिल है
- उन समुदायों की सांस्कृतिक विशेषताओं की समझ प्रदान करना जहां भाषा बोली जाती है
- अपनी और अन्य संस्कृतियों के लोगों के दृष्टिकोण संबंधित जागरूकता और समझ को प्रोत्साहित करना जिससे उनके अपने और अन्य समुदायों में भागीदारी और कार्रवाई हो सके।
- भाषा सीखने में जिज्ञासा, पूछताछ और आजीवन दिलचस्पी और आनंद को बढ़ावा देना।

1.2 MYP भाषा अधिग्रहण के उद्देश्य

MYP भाषा अधिग्रहण में ज्ञान के तथ्यात्मक, वैचारिक, प्रक्रियात्मक और मेटा-संज्ञानात्मक आयाम शामिल हैं। छात्र के ज्ञान और समझ को इस द्वारा विकसित किया जाएगा:

- भाषा सीखना
- भाषा द्वारा सीखना
- भाषा के बारे में सीखना (हॉलिडे 1985)

सुनना

कुशलता स्तर के लिए उपयुक्त, भाषा अधिग्रहण के उद्देश्यों तक पहुँचने के लिए, छात्रों को इसके योग्य होना चाहिए:

- बहुविध पाठों में स्पष्ट और अप्रत्यक्ष रूप से बोली जाने वाली जानकारी की समझ दिखाना
- टेक्स्ट/पाठ की सामग्री क्या है? बोली जाने वाली भाषा में कौन से विवरण बहुविध टेक्स्ट/पाठ के बड़े विचारों और स्पष्ट विशेषताओं से संबंधित हैं? (संदेश: शाब्दिक स्पष्टता और अंतर्निहित भाव)
- भाषा गठन और व्यवहार की समझ प्रदर्शित करना
- कौन से भाषाव्यवहार सुने जा सकते है? उदाहरण के लिए, नाम लेना, अभिवादन करना। कौनसे व्यवहार और प्रचलन को देखा जा सकता है? उदाहरण के लिए, ड्रेस कोड, इशारे/हावभाव—हाथ मिलाना, झुकना।
- बहुविध टेक्स्ट/पाठ के विभिन्न घटकों के बीच संबंधों की समझ प्रदर्शित करना

DRAFT

- बहुविध टेक्स्ट/पाठ के विभिन्न घटकों के बीच क्या संबंध हैं? क्या वे समान संदर्भ साझा करते हैं? क्या टेक्स्ट/पाठ छात्र की निजी दुनिया से संबंध रखता है?

B. पढ़ना

प्रवीणता स्तर के लिए उपयुक्त, भाषा अधिग्रहण के उद्देश्यों तक पहुँचने के लिए, छात्रों को इसमें सक्षम होना चाहिए:

- बहुविध टेक्स्ट/पाठों में स्पष्ट और निहित लिखित जानकारी की समझ प्रदर्शित करना
- क्स्ट/पाठ कौनसी किस्म का है? सामग्री क्या है? लिखित भाषा में कौन से विवरण बहुविध टेक्स्ट/पाठ के बड़े विचारों और स्पष्ट विशेषताओं से संबंधित हैं? (संदेश: शाब्दिक/स्पष्ट, अस्पष्ट)
- भाषा गठन और प्रचलन की समझ प्रदर्शित करना
- बहुविध टेक्स्ट/पाठ में कौन-से भाषा गठन का प्रयोग किया जाता है? उदाहरण के लिए, औपचारिक और अनौपचारिक भाषा, विराम चिह्न, शब्द चयन। टेक्स्ट/पाठ का संचार उद्देश्य क्या है? अपेक्षित दर्शक या भाव ग्रहण कर्ता कौन हैं? बहुविध टेक्स्ट में कौन-से टेक्स्ट गठन का उपयोग किया जाता है? उदाहरण के लिए, टेक्सट के रंग, संरचना, प्रारूप—लेआउट और भौतिक संगठन का उपयोग।
- बहुविध टेक्स्ट के विभिन्न घटकों के बीच संबंधों की समझ प्रदर्शित करना
- क्या वे समान संदर्भ साझा करते हैं? क्या टेक्स्ट/पाठ छात्र की निजी दुनिया से संबंध रखता है?

C. बोलना

प्रवीणता स्तर के लिए उपयुक्त, भाषा अधिग्रहण के उद्देश्यों तक पहुँचने के लिए छात्रों को इसके योग्य होना चाहिए:

- दूसरों के साथ संवाद करने और बातचीत करने के लिए बोली जाने वाली भाषा का उपयोग करना
- विद्यार्थी /वक्ता की भूमिका क्या है? प्रसंग क्या है? भावक कौन हैं? बातचीत का उद्देश्य क्या है? संदेश क्या है?
- बोलने में सटीकता और रवानगी प्रदर्शित करना
- भाषा का कितना सटीक उपयोग किया गया है? बोलचाल वाली भाषा कहाँ तक सुगम है?
- स्पष्ट और प्रभावी ढंग से संवाद करना
- छात्र सूचनाओं का संचार कितनी अच्छी तरह करता है? प्रासंगिक जानकारी और विचारों को कितना सही और रवानगी से बताया गया है?

D. लिखना

प्रवीणता स्तर के लिए उपयुक्त, भाषा अधिग्रहण के उद्देश्यों तक पहुँचने के लिए छात्रों को इसके योग्य होना चाहिए:

दूसरों के साथ संवाद करने के लिए लिखित भाषा का प्रयोग करना

- विद्यार्थी /लेखक की भूमिका क्या है? भावक कौन है? लिखित टेक्सट का उद्देश्य क्या है? संदेश क्या है?
- भाषा गठन का सटीक उपयोग प्रदर्शित करना
- भाषा का कितना सटीक उपयोग किया गया है? भाषा किस हद तक सुबोध है?
- जानकारी को लिखित रूप में व्यवस्थित करना , क्या छात्र उपयुक्त प्रारूप का उपयोग करता है?

DRAFT

- टेक्स्ट के संगठन में किस हद तक संयोजक डिवाईसों का उपयोग किया जाता है?
- भावक और उद्देश्य की समझ के साथ जानकारी का संचार करना।
- प्रासंगिक जानकारी और विचारों को कैसे बताया जाता है? छात्र कितनी अच्छी तरह संवाद करता है ताकि पाठक को टेक्स्ट समझ में आए?

DRAFT

2. हिन्दी विषय

अपनी बात को कहने, सुनने और समझने के लिए हम भाषा का प्रयोग करते हैं। भाषा ही हमारे चिंतन का आधार होती है। भाषा पर बात करते समय कुछ सामान्य उद्देश्यों की प्रतिपूर्ति होती है, जैसे- बच्चों को शुद्ध बोलने तथा लिखने का ज्ञान होता है। सरल, प्रभावपूर्ण भाषा में अपने भाव एवं विचारों को व्यक्त कर पाते हैं । लिखित भाषा को पढ़ने एवं समझने की योग्यता आती है ।

भाषागत इन सामान्य उद्देश्यों के साथ साथ MYP-4 और MYP-5 स्तर तक छात्रों में भाषा के माध्यम से कुछ अन्य उद्देश्यों की भी प्रतिपूर्ति की जाएगी, जैसे- साहित्य की अन्यान्य विधाओं- कहानी, कविता, नाटक, एकांकी, संस्मरण, रिपोर्ताज, निबंध, यात्रा संस्मरण,समीक्षा, लेखन कौशल, व्याकरण में निपुणता।

कवित्व निर्माण प्रेरणा, आलोच्य प्रतिभा विकास, कर्तव्यबोध, संवेदनशीलता, राष्ट्र और समाज निर्माण चेतना, लयात्मकता की समझ , भाषा- व्यवहार और रचनात्मकता , विधा निर्माण, प्रेम और त्याग, सभ्यता, संस्कृति की समझ भी इसके अधिगम उद्देश्य में समाहित हैं ।

2.1. महत्वपूर्ण अवधारणाएं

प्रमुख अवधारणाएं व्यापक पाठ्यक्रम के विकास को बढ़ावा देती हैं। वे बड़े विचारों का प्रतिनिधित्व करते हैं जो दोनों अनुशासन और विषयों में प्रासंगिक हैं। प्रमुख अवधारणाओं की जांच • भाषा और साहित्य विषय समूह (अंतर-अनुशासनात्मक शिक्षा) • अन्य विषय समूहों (अंतःअनुशासनात्मक शिक्षा) के बीच संबंधों की सुविधा प्रदान कर सकती है।

भाषा और साहित्य के अध्ययन द्वारा योगदान देने वाली प्रमुख अवधारणाएं संचार, संबंध, रचनात्मकता और दृष्टिकोण से संबंधित हैं।

प्रमुख अवधारणाएं व्यापक पाठ्यक्रम के विकास को बढ़ावा देती हैं। वे बड़े विचारों का प्रतिनिधित्व करती हैं जो दोनों अति-सरलीकृत और पक्षपातपूर्ण व्याख्याओं की प्रतिक्रिया देते हैं। विविध विचारों और दृष्टिकोणों का अनुसरण करना और उन पर विचार करना जटिल और रक्षात्मक व्याख्याओं को विकसित करने का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

संचार

संचार संकेतों, तथ्यों, विचारों और प्रतीकों का आदान-प्रदान या हस्तांतरण है। इसके लिए प्रेषक, संदेश और इच्छित प्राप्तकर्ता की आवश्यकता होती है। संचार में सूचना या अर्थ बताने की गतिविधि शामिल होती है। प्रभावी संचार के लिए सामान्य "भाषा" की आवश्यकता होती है (जो लिखित, मौखिक या गैर-मौखिक हो सकती है)।

टेक्स्ट की खोज करने द्वारा, हम सूचनाओं, तथ्यों, विचारों, अर्थों और विचारों का आदान-प्रदान, व्यक्त, विश्लेषण और परिवर्तन करते हैं। संचार वह आधार है जो हमें मानव बनाता है और दुनिया भर में समुदायों को आपस में जोड़ता है; यही इस अनुशासन/विषय का सार है।

संबंध

संबंध लोगों, वस्तुओं, जीवों या विचारों के बीच संपर्क, बंधन और रिश्ता है।

DRAFT

भाषाई और साहित्यिक संबंध समय, टेक्स्ट और संस्कृतियों के बीच मौजूद हैं। यह अवधारणा भाषा और साहित्य के अध्ययन के लिए केंद्रीय है। भाषा और साहित्य की साधारण किस्म के कारण, आख्यानों के भीतर और उनके बीच संबंध और स्थानांतरण मौजूद हैं। यह भाषा की खोज और टेक्स्ट, निर्माता और दर्शकों के बीच संबंधों की अनुमति देता है।

रचनात्मकता

रचनात्मकता नए विचारों को उत्पन्न करने और मौजूदा विचारों पर नए दृष्टिकोण से विचार करने की प्रक्रिया है। रचनात्मकता में समस्याओं के लिए नवीन प्रतिक्रियाओं को विकसित करते समय विचारों के मूल्य को पहचानने की क्षमता शामिल है; यह प्रक्रिया के साथ-साथ परिणामों, उत्पादों या समाधानों में भी स्पष्ट हो सकता है।

MYP भाषा और साहित्य में, यह भाषा के साथ विचारों को संश्लेषित करने की प्रक्रिया है जो रचनात्मकता का साधन है। यह बातचीत और चिंतन का परिणाम है, चाहे स्वयं के साथ या व्यापक समुदाय के साथ हो। इस प्रक्रिया को परिभाषित करना और इसका मूल्यांकन करना कठिन है। हालांकि, यह उस प्रक्रिया के मूल्यांकन पर टिकी हुई है जिसके साथ व्यक्ति, और दर्शकों पर अंतिम उत्पाद का प्रभाव संलग्न है।

संस्कृति

संस्कृति में सीखे और साझा किए गए विश्वासों, मूल्यों, रुचियों, दृष्टिकोणों, उत्पादों, जानने के तरीकों और मानव समुदायों द्वारा बनाए गए व्यवहार के पैटर्न की श्रृंखला शामिल है। संस्कृति की अवधारणा गतिशील और जैविक है।

समुदाय की भाषा सीखने से विविधता को अपनाने, संवेदनशीलता और सहानुभूति के साथ बातचीत करने और सार्थक वैश्विक बातचीत में भाग लेने के अवसर प्राप्त होते हैं, जो बदले में सामाजिक-सांस्कृतिक क्षमता और अंतर-सांस्कृतिक जागरूकता विकसित करता है जिससे अंतर्राष्ट्रीय-मानसिकता पैदा होती है।

DRAFT

3. हिंदी पाठ्यक्रम का अवलोकन

डीबीएसई में शैक्षणिक वर्ष का दो टर्म होता हैं। कक्षा IX से X के पाठ्यक्रम को 6 इकाइयों में बांटा गया है। इन इकाइयों को शैक्षणिक वर्ष के दो टर्मों में वितरित किया गया है। इकाई के नाम, सामग्री, अवधि और सीखने के संसाधन बाद के अनुभागों में दिए गए हैं।

तालिका 1: कक्षा IX इकाइयों में इकाई के नाम, सामग्री, अवधि और सीखने के संसाधन

कक्षा IX			
Term 1			
Unit	**Content**	**Duration**	**Resources**
मानव व्यवहार बहुसंस्कृतिवाद व समानता	कहानी विधा, प्रतीकात्मकता, अंतरपाठीयता,अर्थापन, भाव और तात्पर्य उद्घाटन	6 weeks	• दो बैलों की कथा (कहानी) • मेरे संग की औरतें (संस्मरण)
वंचित और उपेक्षित वर्ग के प्रति संवेदना	मनुष्य के आवास, प्रवास और विकास से भी कई वर्ग पीछे छूट जाते हैं जिन्हें विविध सभ्यताओं के साथ स्थानिक, नगरीय और वैश्विक स्तर पर उन्मुखीकरण के द्वारा मुख्य धारा में लाना	4 weeks	• पानी में घिरे हुए लोग- केदारनाथ सिंह • जादू टूटता है -कैलाश बनवासी
सांस्कृतिक विरासत	विधा निर्माण, सरलता, सामाजिक प्रस्थिति, संवेदनशीलता, समाज और राष्ट्र निर्माण चेतना, भाषा व्यवहार और रचनात्मकता	3 weeks	• प्रेमचंद के फटे जूते • ल्हासा की ओर

Term 2			
प्रकृति और वैश्वीकरण	राष्ट्रीय चेतना, धरोहर, संवेदनशीलता, समाज और राष्ट्र निर्माण चेतना , भाषा व्यवहार और रचनात्मकता	5 weeks	• सांवले सपनों की याद (संस्मरण) • सवैया (कविता)
सामाजिक संघर्ष एवं समाधान	संवेदनशीलता, प्रेम और त्याग, समाज और राष्ट्र निर्माण चेतना , भाषा व्यवहार और रचनात्मकता	5 weeks	• रीढ़ की हड्डी(एकांकी) • कैदी और कोकिला (कविता)
प्राकृतिक आपदाएं	सभ्यता, संस्कृति, व्यवस्था, समाज और राष्ट्र निर्माण चेतना , भाषा व्यवहार	5 weeks	• इस जल प्रलय मे • नई सदी का नया रिक्शा -राजेंद्र रवि व स्मिता स्नेही

DRAFT

तालिका 2: कक्षा X इकाइयों में इकाई के नाम, सामग्री, अवधि और सीखने के संसाधन

कक्षा X			
Term 1			
Unit	**Content**	**Duration**	**Resources**
मानवीय मूल्य और समाज	निर्माण प्रेरणा, आलोच्य प्रतिभा विकास, कर्तव्यबोध संवेदनशीलता, राष्ट्र और समाजनिर्माण चेतना	6 weeks	• कविता- एक वृक्ष की हत्या (कवि- कुंवर नारायण) • गद्य- भारतवर्षोन्नति कैसे हो? (भाषण)
ग्रामीण एवं शहरी जीवन संबद्धता	लयात्मकता की समझ , संवेदनशीलता, समाज और राष्ट्र निर्माण चेतना, भाषा व्यवहार और रचनात्मकता	6 weeks	• पाठ- बुध्द, बारूद और पहाड़ (मधु कांकरिया) • पद्य- कविता- सफ़ेद रात (आलोक धन्वा)
प्राकृतिक एवं सामाजिक तादात्म्य	विधा निर्माण, सरलता, सामाजिक प्रस्थिति, संवेदनशीलता, समाज और राष्ट्र निर्माण चेतना , भाषा व्यवहार और रचनात्मकता	4 weeks	• पाठ-बालगोबिन भगत (रेखाचित्र) • कविता- अट नहीं रही है, उत्साह (निराला)
Term 2			
तकनीकी, समावेशी और संवहनीय विकास के साथ प्राकृतिक संरक्षण	राष्ट्रीय चेतना, धरोहर, ,संवेदनशीलता, समाज और राष्ट्र निर्माण चेतना, भाषा व्यवहार और रचनात्मकता	4 weeks	• पाठ- अजंता (निबंध)- भगवतशरण उपाध्याय • कविता- हिरोशिमा (अज्ञेय)
वसुधैव कुटुम्बकम एवं सहसम्बद्धता	संवेदनशीलता, प्रेम और त्याग, समाज और राष्ट्र निर्माण चेतना , भाषा व्यवहार और रचनात्मकता	4 weeks	पाठ- मानवीय करुणा की दिव्य चमक (संस्मरण)- सर्वेश्वर दयाल सक्सेना कविता- मनुष्यता (मैथिशरण गुप्त)
साहित्यिक एवं सांस्कृतिक परस्परता	सभ्यता, संस्कृति, व्यवस्था, समाज और राष्ट्र निर्माण चेतना, भाषा व्यवहार	4 weeks	पाठ- सभ्यता और संस्कृति (भदंत आनंद कौशल्यायन) कविता-कवितावली (तुलसीदास)

DRAFT

4. मूल्यांकन अवलोकन

मूल्यांकन और रिपोर्टिंग के लिए डीबीएसई दृष्टिकोण आईबी निर्दिष्ट मूल्यांकन मानदंड और ग्रेड पर आधारित है। मानदंड आधारित आकलन छात्रों को आत्म-निगरानी और आत्म-विश्वास का निर्माण करने में सक्षम बनाता है क्योंकि वे समय के साथ उनके द्वारा की जा रही प्रगति के प्रमाण देख सकते हैं। स्तर के वर्णनकर्ताओं का उपयोग करके छात्र अपनी प्रगति को ट्रैक कर सकते हैं, वे स्पष्ट रूप से समझ सकते हैं कि समय के साथ उनके काम को कैसे बेहतर बनाया जा सकता है।

हिंदी में मूल्यांकन किए गए चार मुख्य मानदंड हैं:

- मानदंड A - सुनना
- मानदंड B – पढ़ना
- मानदंड C – बोलना
- मानदंड D – लिखना

डीबीएसई छात्रों के आकलन के कई तरीकों को बढ़ावा देता है। डीबीएसई स्कूलों में सीखने की अवधि के दौरान तीन प्रकार के आकलन किए जाते हैं।

सीखने के लिए मूल्यांकन: यह छात्रों और शिक्षकों द्वारा उपयोग के लिए प्रमाण इकट्ठा करने और व्याख्या करने की प्रक्रिया है, यह जानने के लिए कि छात्र अपने शिक्षा के मार्ग पर कहां हैं, यह तय करें कि उन्हें कहां जाना है और वहां कैसे जाना है। शिक्षक सहायक भूमिका निभाता है जिसमें छात्रों की उनके शिक्षा के मार्ग पर प्रगति करने में मदद करने के लिए मूल्यांकन कार्यों में छात्र प्रतिक्रियाओं का विश्लेषण किया जाता है। परिणामस्वरूप, यह महत्वपूर्ण है कि ध्यान लगाकर सीखने को सक्षम करने और शिक्षण को बेहतर बनाने में सहायता करने के लिए इन आकलनों के साथ हमेशा फीडबैक और फीड-फॉरवर्ड तंत्र होना चाहिए। उदाहरण, कार्यों में होमवर्क, क्लासवर्क, कक्षा परीक्षण/क्लास टेस्ट, असाइनमेंट, प्रोजेक्ट आदि शामिल हैं। मूल्यांकनों को सीखने के स्तर के आधार पर छात्रों को सही मात्रा में चुनौती देनी चाहिए ताकि उचित प्रतिक्रिया प्रदान की जा सके।

सीखने का मूल्यांकन: यह शिक्षा चक्र, जैसे कि सीखने की अवधि के अंत में, प्रमुख बिंदुओं पर होता है जैसे कि टर्म, यह मापने के लिए कि क्या छात्रों ने सीखने के उद्देश्यों को प्राप्त किया है। उदाहरण, कार्यों में परीक्षा, अंतिम परियोजनाएं, निबंध आदि शामिल हैं। प्राथमिक उद्देश्य यह आकलन करना है कि शिक्षा के अगले चरण में जाने के लिए छात्र अपनी तत्परता को समझने के लिए निश्चित समय में क्या कर सकते हैं।

सीखने के रूप में मूल्यांकन: छात्रों को अपनी प्रगति की निगरानी, स्व-मूल्यांकन और अपनी शिक्षा पर विचार करने के अवसर प्रदान किए जाते हैं। उदाहरण के लिए, कार्यों में स्व-मूल्यांकन, सहकर्मी मूल्यांकन, छात्र पोर्टफोलियो आदि शामिल हैं।

आंतरिक मूल्यांकन में उपयोग किए जाने वाले मूल्यांकन कार्य और तरीके मानदंड से संबंधित, छात्र-केंद्रित हैं और शिक्षा को और बढ़ाने के लिए प्रतिक्रिया प्रदान करते हैं। छात्र के प्रदर्शन की रिपोर्ट करने के लिए दो प्रकार के आकलन का उपयोग किया जाता है।

- आंतरिक मूल्यांकन (IA) (20%)

DRAFT

- टर्म के अंत में मूल्यांकन (TA) (80%)

आंतरिक मूल्यांकन में उपयोग किए जाने वाले मूल्यांकन कार्य और विधियां छात्रों को अपनी शैक्षणिक उपलब्धियों को कई तरीकों से दिखाने और शिक्षा को और बढ़ाने हेतु प्रतिक्रिया प्रदान करने का अवसर प्रदान करती हैं। बाहरी मूल्यांकन कार्य हिंदी भाषा अर्जन के लिए परिभाषित पाठ्यचर्या उद्देश्यों पर आधारित होते हैं।

कक्षा IX और X के लिए रिपोर्टिंग के लिए उपयोग किए जाने वाले डीबीएसई मूल्यांकन स्कूल के नेतृत्व वाले और/या बोर्ड के नेतृत्व वाले हो सकते हैं। स्कूल के नेतृत्व वाले मूल्यांकन डीबीएसई द्वारा प्रदान किए गए आइटम पूल पर आधारित होते हैं और बोर्ड के नेतृत्व वाले मूल्यांकन डीबीएसई द्वारा विकसित और प्रशासित होते हैं। कक्षा X में, डीबीएसई आंतरिक मूल्यांकन और तत्परता मूल्यांकन की निगरानी करता है। टर्म के अंत में किए जाने वाले मूल्यांकन डीबीएसई द्वारा आयोजित किए जाते हैं।

4.1 मूल्यांकन संरचना

वैश्विक सर्वोत्तम अभ्यास बहुआयामी मूल्यांकन संरचना का सुझाव देते हैं। अर्थात्, छात्रों का मूल्यांकन कई तरीकों से और कई बार शिक्षकों या छात्रों के कार्यभार को बढ़ाए बिना संभव सीमा तक किया जाना चाहिए। डीबीएसई मूल्यांकन संरचना का योजनाबद्ध प्रतिनिधित्व नीचे प्रस्तुत किया गया है:

चित्र 1: डीबीएसई में मूल्यांकन

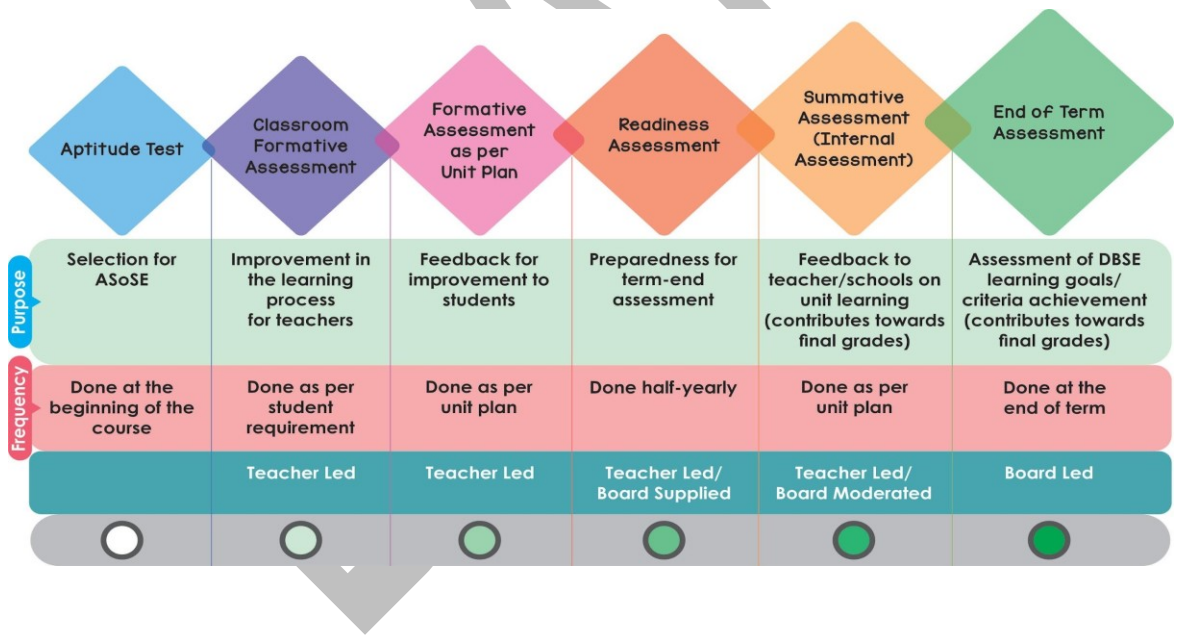

4.2 मूल्यांकन कैलेंडर

शैक्षणिक वर्ष 2022-23 कक्षा IX और Xके आकलन के लिए आंतरिक और बाहरी मूल्यांकन के लिए मूल्यांकन कैलेंडर नीचे दिया गया है।

तालिका 3: कक्षा IX मूल्यांकन कैलेंडर

Unit	Duration		Assessment	Criteria Assessed	Assessment Strategies
1	04-Jul	13-Aug	IA - Unit 1 Summative	सुनना	Performance-based or project-based tasks such as report-writing, presentations, writing a script, role-plays, debates, etc.
2	16-Aug	10-Sep	IA - Unit 2 Summative	लिखना	
3	12-Sep	30-Sep	IA - Unit 3 Summative	बोलना	
10 – 24 October 2022			**Term-end 1**	**All 4 Criteria**	**Competency based assessment**
4	1-Nov	5-Dec	IA - Unit 4 Summative	पढ़ना, लिखना	Performance-based or project-based tasks such as report-writing, presentations, writing a script, role-plays, debates, etc.
5	6-Dec	21-Jan	IA - Unit 5 Summative	बोलना ,पढ़ना	
6	23-Jan	24-Feb	IA - Unit 6 Summative	सुनना ,बोलना	
1 - 20 March 2023			**Term-end 2**	**All 4 Criteria**	**Competency based assessment**

तालिका 4: कक्षा X मूल्यांकन कैलेंडर

Unit	Duration		Assessment	Criteria Assessed	Assessment Strategies
1	04-Apr	13-May	IA - Unit 1 Summative	बोलना	Performance-based or project-based tasks such as report-writing, presentations, writing a script, role-plays, debates, etc.
2	16-May	30-Jul	IA - Unit 2 Summative	लिखना	
3	01-Aug	27-Aug	IA - Unit 3 Summative	सुनना , लिखना	
12-24 Sep 2022			Readiness Assessment	All 4 Criteria	Competency based assessment
10 – 24 October 2022			**Term-end 1**	**All 4 Criteria**	**Competency based assessment**
4	01-Nov	28-Nov	IA - Unit 4 Summative	बोलना ,सुनना	Performance-based or project-based tasks such as report-writing, presentations, writing a script, role-plays, debates, etc.
5	29-Nov	27-Dec	IA - Unit 5 Summative	सुनना ,पढ़ना	
6	28-Jan	04-Feb	IA - Unit 6 Summative	पढ़ना , लिखना	
06 –18-Feb 2022			Readiness Assessment	All 4 Criteria	Competency based assessment
1 - 20 March 2023			**Term-end 2**	**All 4 Criteria**	**Competency based assessment**

DRAFT

4.3 मूल्यांकन स्तर और श्रेणी

मूल्यांकन मानदंड सीधे पाठ्यक्रम के उद्देश्यों से संबंधित हैं और समान महत्व रखते हैं। छात्र उपलब्धि स्तरों को संबंधित विवरण के साथ आईबी में किए गए नंबर ग्रेड के रूप में रिपोर्ट किया जाएगा।

ग्रेड विवरण मूल्यांकन मानदंड स्तरों पर आधारित होते हैं। मूल्यांकन मानदंड के स्तर के वर्णनकर्ता सीखने की अवधि के लिए कौशल और योग्यताओं में सुधार की स्पष्ट प्रगति दर्शाते हैं।

छात्रों की उपलब्धियों की रिपोर्ट करने के लिए उपयोग किए जाने वाले सभी मूल्यांकन कार्य, कार्य विशिष्ट, पदानुक्रमिक और गुणात्मक रूप से परिभाषित किए रूब्रिक्स पर आधारित होते हैं। रूब्रिक्स में उपयोग की जाने वाली श्रेणियां किसी कार्य की प्रतिक्रिया की बढ़ती गुणवत्ता या शुद्धता का प्रतिनिधित्व करती हैं। वे मूल्यांकन कार्य के लिए छात्रों की प्रतिक्रियाओं के मूल्यांकन और रिकॉर्डिंग के लिए आधार प्रदान करते हैं। रूब्रिक मूल्यांकन अपेक्षाओं को पारदर्शी बनाता है।

प्रत्येक मानदंड में क्षमता की डिग्री दिखाने के लिए, विभिन्न स्तरों के बिल्कुल स्पष्ट विवरण का उपयोग किया जाता है। ये विवरण प्रत्येक मानदंड में उपलब्धि की प्रगति को दर्शाते हैं। आईबी मानदंड स्तर और ग्रेड विवरण निम्नलिखित तालिकाओं में दिए गए हैं:

तालिका 5: मानदंड A: सुनना

स्तर	स्तर विवरण
0	छात्र नीचे दिए गए किसी भी विवरणकर्ता द्वारा वर्णित मानक तक नहीं पहुंचता है।
1-2	विद्यार्थी: i. जटिल प्रामाणिक टेक्स्ट में कम से कम बताई गई जानकारी (तथ्यों और/या राय) की पहचान करता है ii. जटिल प्रामाणिक टेक्स्ट में बुनियादी सम्मेलनों की पहचान करता है iii. जटिल प्रामाणिक टेक्स्ट में बुनियादी संबंध की पहचान करता है।
3-4	छात्र: i. सरल और कुछ जटिल प्रामाणिक टेक्स्ट में किसी बताई गई जानकारी (तथ्यों और/या राय) की पहचान करता है ii. सरल और कुछ जटिल प्रामाणिक टेक्स्ट में बुनियादी सम्मेलनों की पहचान करता है iii. सरल और कुछ जटिल प्रामाणिक टेक्स्ट में बुनियादी संबंध की पहचान करता है।
5-6	छात्र: i. सरल और कुछ जटिल प्रामाणिक टेक्स्ट में सबसे अधिक बताई गई जानकारी (तथ्यों और/या राय, और सहायक विवरण) की पहचान करता है ii. सरल और कुछ जटिल प्रामाणिक टेक्स्ट में गठन की व्याख्या करता है iii. सरल और कुछ जटिल प्रामाणिक टेक्स्ट में संबंध की व्याख्या करता है।
7-8	छात्र: i. सरल और कुछ जटिल प्रामाणिक टेक्स्ट में स्पष्ट और निहित जानकारी (तथ्यों और/या राय, और सहायक विवरण) की पहचान करता है ii. सरल और कुछ जटिल प्रामाणिक टेक्स्ट में गठन का विश्लेषण करता है iii. सरल और कुछ जटिल प्रामाणिक टेक्स्ट में संबंध का विश्लेषण करता है।

DRAFT

तालिका 6: मापदंड B: पढ़ना

स्तरों	स्तर विवरण
0	छात्र नीचे दिए गए किसी भी विवरणकर्ता द्वारा वर्णित मानक तक नहीं पहुंचता है।
1-2	छात्र: i. सरल और कुछ जटिल प्रामाणिक टेक्स्ट में कम से कम बताई गई जानकारी (तथ्यों और/या राय) की पहचान करता है ii. सरल और कुछ जटिल प्रामाणिक टेक्स्ट में बुनियादी गठन की पहचान करता है iii. सरल और कुछ जटिल प्रामाणिक टेक्स्ट में बुनियादी संबंध की पहचान करता है।
3-4	छात्र: i. कुछ बताई गई जानकारी (तथ्यों और/या राय) को सरल और कुछ जटिल प्रामाणिक टेक्स्ट में पहचानता है ii. सरल और कुछ जटिल प्रामाणिक टेक्स्ट में बुनियादी सम्मेलनों की पहचान करता है iii. जटिल प्रामाणिक टेक्स्ट में बुनियादी संबंध की पहचान करता है।
5-6	छात्र: i. सरल और कुछ जटिल प्रामाणिक टेक्स्ट में सबसे अधिक बताई गई जानकारी (तथ्यों और/या राय, और सहायक विवरण) की पहचान करता है ii. सरल और कुछ जटिल प्रामाणिक टेक्स्ट में गठन की व्याख्या करता है iii. सरल और कुछ जटिल प्रामाणिक टेक्स्ट में संबंध की व्याख्या करता है।
7-8	छात्र: i. सरल और कुछ जटिल प्रामाणिक टेक्स्ट में स्पष्ट और निहित जानकारी (तथ्यों और/या राय, और सहायक विवरण) की पहचान करता है ii. सरल और कुछ जटिल प्रामाणिक टेक्स्ट में सम्मेलनों का विश्लेषण करता है iii. सरल और कुछ जटिल प्रामाणिक टेक्स्ट में कनेक्शन का विश्लेषण करता है।

DRAFT

तालिका 7: मानदंड C: बोलना

स्तर	स्तर विवरण
0	छात्र नीचे दिए गए किसी भी विवरणकर्ता द्वारा वर्णित मानक तक नहीं पहुंचता है।
1-2	छात्र: i. शब्दावली की सीमित सीमा का उपयोग करता है ii. उन कई त्रुटियों के साथ व्याकरणिक संरचनाओं की सीमित श्रेणी का उपयोग करता है जो अक्सर संचार में बाधा डालते हैं iii. कई त्रुटियों के साथ उच्चारण और स्वर-शैली का उपयोग करता है जो अक्सर समझ में बाधा डालता है iv. बातचीत के दौरान, सीमित प्रासंगिक जानकारी का संचार करता है
3-4	छात्र: i. शब्दावली की बुनियादी श्रेणी का उपयोग करता है ii. कुछ उन त्रुटियों के साथ व्याकरणिक संरचनाओं की बुनियादी श्रेणी का उपयोग करता है जो कभी-कभी संचार में बाधा डालते हैं iii. कुछ उन त्रुटियों के साथ उच्चारण और स्वर-शैली का उपयोग करता है जो कभी-कभी समझ में बाधा डालते हैं iv. बातचीत के दौरान, कुछ प्रासंगिक जानकारी का संचार करता है।
5-6	छात्र: i. शब्दावली की श्रृंखला का उपयोग करता है ii. कुछ उन त्रुटियों के साथ कई व्याकरणिक संरचनाओं का उपयोग करता है जो संचार में बाधा नहीं डालती हैं iii. कुछ त्रुटियों के साथ उच्चारण और स्वर-शैली का उपयोग करता है। हालाँकि, ये समझ में बाधा नहीं डालते हैं iv. बातचीत के दौरान, सबसे प्रासंगिक जानकारी का संचार करता है।
7-8	छात्र: i. शब्दावली की विस्तृत श्रृंखला का उपयोग करता है ii. व्याकरणिक संरचनाओं की विस्तृत श्रृंखला का आमतौर पर सटीक रूप से उपयोग करता है iii. उस स्पष्ट उच्चारण और स्वर-शैली का उपयोग करता है जो संचार को समझने में आसान बनाती है iv. बातचीत के दौरान, सभी या लगभग सभी आवश्यक सूचनाओं को स्पष्ट और प्रभावी ढंग से बताता है

DRAFT

तालिका 8: मापदंड D: लिखना

स्तर	स्तर विवरण
0	छात्र नीचे दिए गए किसी भी विवरणकर्ता द्वारा वर्णित मानक तक नहीं पहुंचता है।
1-2	छात्र: i. शब्दावली की सीमित सीमा का उपयोग करता है ii. कई उन त्रुटियों के साथ व्याकरणिक संरचनाओं की सीमित श्रेणी का उपयोग करता है जो अक्सर संप्रेषण में बाधा डालती हैं iii. कुछ बुनियादी संसक्त उपकरणों का उपयोग करके कुछ जानकारी को पहचानने योग्य प्रारूप में व्यवस्थित करता है iv. संदर्भ के अनुरूप होने के लिए दर्शकों और उद्देश्य की कुछ समझ के साथ सीमित प्रासंगिक जानकारी का संचार करता है
3-4	छात्र: i. शब्दावली की बुनियादी श्रेणी का उपयोग करता है ii. कुछ उन त्रुटियों के साथ व्याकरणिक संरचनाओं की बुनियादी श्रेणी का उपयोग करता है जो कभी-कभी संचार में बाधा डालती हैं iii. बुनियादी संसक्त उपकरणों की श्रृंखला का उपयोग करके पहचानने योग्य प्रारूप में जानकारी को व्यवस्थित करता है iv. संदर्भ के अनुरूप होने के लिए दर्शकों और उद्देश्य की कुछ समझ के साथ सीमित प्रासंगिक जानकारी का संचार करता है
5-6	छात्र: i. शब्दावली की श्रृंखला का उपयोग करता है ii. कुछ उन त्रुटियों के साथ कई व्याकरणिक संरचनाओं का उपयोग करता है जो संचार में बाधा नहीं डालती हैं iii. सरल और कुछ जटिल संसक्त उपकरणों का उपयोग करके उपयुक्त प्रारूप में जानकारी को व्यवस्थित करता है iv. संदर्भ के अनुरूप होने के लिए दर्शकों और उद्देश्य की समझ के साथ सबसे अधिक प्रासंगिक जानकारी का संचार करता है।
7-8	छात्र: i. शब्दावली की विस्तृत श्रृंखला का उपयोग करता है ii. व्याकरणिक संरचनाओं की विस्तृत श्रृंखला का आमतौर पर सटीक रूप से उपयोग करता है iii. सरल और जटिल संसक्त/सुसज्जित उपकरणों की विस्तृत श्रृंखला का उपयोग करके उपयुक्त प्रारूप में जानकारी को प्रभावी ढंग से और सुसंगत रूप से व्यवस्थित करता है iv. संदर्भ के अनुरूप होने के लिए दर्शकों और उद्देश्य की स्पष्ट समझ के साथ सभी या लगभग सभी आवश्यक जानकारी का संचार करता है।

DRAFT

तालिका 9: ग्रेड अंक का विवरण

श्रेणी	श्रेणी विवरण
7	समृद्ध और विविध भाषा का उपयोग करके उच्च गुणवत्ता वाले अक्सर नए कार्य करता है। साहित्यिक और गैर-साहित्यिक टेक्स्ट/पाठों की एक विस्तृत विविधता की प्रतिक्रिया में भाषा के प्रभावी उपयोग के माध्यम से भाषाई अवधारणाओं और संदर्भों की व्यापक, सूक्ष्म समझ का संचार करता है। भाषा का विश्लेषण और निर्माण करने के लिए लगातार विवेकी महत्वपूर्ण और रचनात्मक सोच को प्रदर्शित करता है। विभिन्न प्रकार की जटिल कक्षा और वास्तविक दुनिया की स्थितियों में स्वतंत्रता और विशेषज्ञता के साथ ज्ञान को अक्सर स्थानांतरित करता है और कौशल लागू करता है।
6	समृद्ध और विविध भाषा का उपयोग करके उच्च गुणवत्ता वाले, कभी-कभी नए कार्य करता है। साहित्यिक और गैर-साहित्यिक टेक्स्ट/पाठों की विस्तृत विविधता की प्रतिक्रिया में भाषा के प्रभावी उपयोग के माध्यम से भाषाई अवधारणाओं और संदर्भों की व्यापक समझ का संचार करता है। भाषा का विश्लेषण और निर्माण करने के लिए अक्सर विवेकता के साथ महत्वपूर्ण और रचनात्मक सोच प्रदर्शित करता है। ज्ञान को स्थानांतरित करता है और विभिन्न परिचित और अपरिचित कक्षा और वास्तविक दुनिया की स्थितियों में अक्सर स्वतंत्रता और सटीकता के साथ कौशल लागू करता है।
5	कुछ समृद्ध और विविध भाषा का उपयोग करके आम तौर पर उच्च गुणवत्ता वाला काम करता है। विभिन्न प्रकार के साहित्यिक और गैर-साहित्यिक पाठों की प्रतिक्रिया में भाषा के प्रभावी उपयोग के माध्यम से भाषाई अवधारणाओं और संदर्भों की अच्छी समझ का संचार करता है। भाषा का विश्लेषण और निर्माण करने के लिए कभी-कभी विवेकता के साथ महत्वपूर्ण और रचनात्मक सोच प्रदर्शित करता है। आमतौर पर ज्ञान को स्थानांतरित करता है और कुछ स्वतंत्रता के साथ परिचित कक्षा और वास्तविक दुनिया की स्थितियों में कौशल लागू करता है।
4	भाषा की श्रृंखला का उपयोग करके अच्छी गुणवत्ता वाले कार्य करता है। कुछ गलतफहमी और मामूली अंतराल के साथ साहित्यिक और गैर-साहित्यिक पाठों की श्रृंखला की प्रतिक्रिया में भाषा के उपयोग के माध्यम से अधिकांश भाषाई अवधारणाओं और संदर्भों की बुनियादी समझ का संचार करता है। भाषा का विश्लेषण और निर्माण करने के लिए अक्सर महत्वपूर्ण और रचनात्मक सोच प्रदर्शित करता है। कुछ ज्ञान को स्थानांतरित करता है और परिचित कक्षा स्थितियों में कुछ कौशल लागू करता है, लेकिन अपरिचित परिस्थितियों में समर्थन की आवश्यकता होती है।
3	भाषा की बुनियादी श्रेणी का उपयोग करके स्वीकार्य गुणवत्ता का कार्य करता है। कभी-कभी बड़ी गलतफहमी या अंतराल के साथ भाषा के उपयोग के माध्यम से कई भाषाई अवधारणाओं और संदर्भों की बुनियादी समझ का संचार करता है। भाषा का विश्लेषण और निर्माण करने के लिए कुछ महत्वपूर्ण और रचनात्मक सोच का प्रदर्शन करना शुरू करता है। परिचित कक्षा स्थितियों में भी समर्थन की आवश्यकता के लिए ज्ञान को स्थानांतरित करना और कौशल लागू करना शुरू करता है।

DRAFT

2	भाषा की अत्यंत बुनियादी श्रेणी का उपयोग करके सीमित गुणवत्ता का कार्य करता है। समझ में बड़े अंतराल के साथ कुछ भाषाई अवधारणाओं और संदर्भों की सीमित समझ का संचार करता है। भाषा का विश्लेषण और निर्माण करने के लिए महत्वपूर्ण और रचनात्मक सोच के सीमित प्रमाण प्रदर्शित करता है। ज्ञान के स्थानांतरण और कौशल के अनुप्रयोग के सीमित साक्ष्य।
1	बहुत सीमित गुणवत्ता का काम करता है। कई बड़ी गलतफहमियों को व्यक्त करता है या अधिकांश भाषाई अवधारणाओं और संदर्भों की समझ का अभाव है। भाषा का विश्लेषण और निर्माण करने के लिए महत्वपूर्ण या रचनात्मक सोच का प्रमाण बहुत कम ही प्रदर्शित करता है। बहुत दृढ़, शायद ही कभी ज्ञान या कौशल का प्रमाण दिखाता है।

DRAFT